गांधी रोड से कहाँ गायब हुई हरियाली

विकास की चकाचौंध में खो गई प्राकृतिक सुंदरता

नवभारत न्यूज

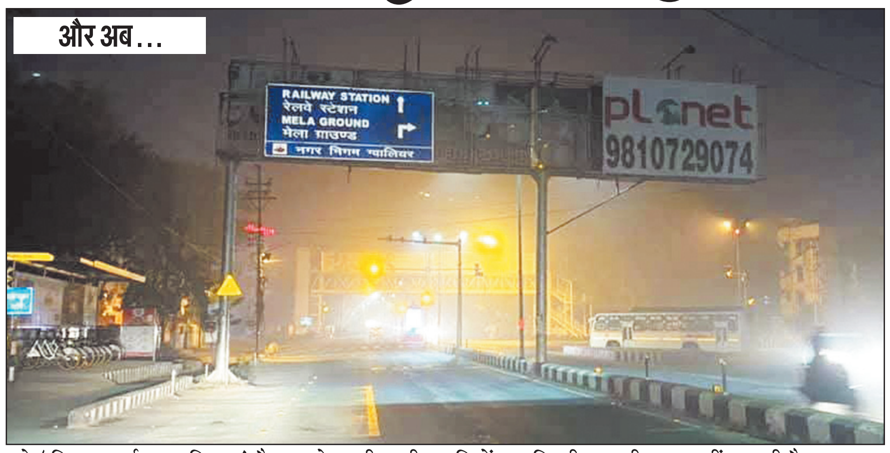

ग्वालियर 3 जून. 90 के दशक में लश्कर, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन को मुरार से जोड़ने वाला शहर का प्रमुख 'गांधी रोड' अपनी घनी हरियाली के लिए जाना जाता था। रोड के दोनों ओर खड़े विशाल वृक्षों की छांव पूरे मार्ग को ढके रहती थी, जो न केवल राहगीरों को सुकून देती थी बल्कि शहर के पर्यावरण का फेफड़ा भी थी। लेकिन आज वही गांधी रोड कंक्रीट के जंगल में बदल चुका है। शहर की बढ़ती जनसंख्या और विकास के नाम पर हुए रोड चौड़ीकरण ने इस मार्ग की सदियों पुरानी हरियाली को काल के गाल में समा दिया है।

थीम रोड की चकाचौंध, पर पर्यावरण का अकाल– प्रशासन ने करोड़ों रुपये खर्च कर गांधी रोड को 'थीम रोड' के रूप में विकसित किया है। आज यहाँ की लाइटिंग और खूबसूरती सेल्फी लेने और रील्स बनाने वालों को तो आकर्षित करती है, लेकिन उन बुजुर्गों के लिए यह अधूरापन है जिन्होंने इस रोड को हरियाली के बीच फलते-फूलते देखा है। जानकारों का कहना है कि विकास जरूरी है, लेकिन प्राकृतिक सुंदरता की कीमत पर नहीं।

क्या कहता है नियम, कहाँ है प्रशासन?–

रोड चौड़ीकरण के नियमों के अनुसार, विकास कार्यों के दौरान जितने पेड़ काटे जाते हैं, उससे कहीं ज्यादा संख्या में नए वृक्षारोपण का प्रावधान है। अफसोस कि गांधी रोड पर काटे गए पेड़ों की भरपाई करना तो दूर, जो पेड़ बचे भी थे, वे बारिश के मौसम में गिर गए और उनकी जड़ों तक को साफ कर दिया गया। अब वहाँ नए पौधे लगाने के प्रति न प्रशासन गंभीर है और न ही जिम्मेदार विभाग। आगामी 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' है, शहर की तमाम संस्थाएं पौधरोपण का दिखावा करेंगी, लेकिन गांधी रोड की सूनी पटरियों पर किसी की नजर नहीं जा रही है।

सेल्फी के शौकीन बनाम प्रकृति प्रेमी

युवा पीढ़ी आज यहाँ सेल्फी और रील बनाने आती है, उन्हें सिर्फ लाइटिंग दिखती है। लेकिन हम जैसे लोग जब इस रोड पर चलते हैं, तो वे पुराने विशाल वृक्ष याद आते हैं। हमें विकास चाहिए, लेकिन विनाश की नींव पर नहीं।

धीरज झा, स्थानीय व्यवसायी

पर्यावरण दिवस पर केवल दिखावा

हर साल 5 जून को रस्म अदायगी के लिए फोटो खिंचवाने का दौर चलता है। अगर प्रशासन और सामाजिक संस्थाएं वाकई गंभीर हैं, तो गांधी रोड की खाली पटरियों पर छायादार वृक्षों का रोपण करें और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी लें।

भोले राम कुशवाह, समाज सेवी

प्राकृतिक छांव का विकल्प नहीं

'90 के दशक में जब हम इस रास्ते से निकलते थे, तो ऐसा लगता था जैसे किसी घने बगीचे से गुजर रहे हों। आज का विकास आधुनिक तो है, लेकिन कंक्रीट की गर्मी में वह सुकून कहाँ? आधुनिकता की चकाचौंध कुछ देर के लिए अच्छी लग सकती है, लेकिन पेड़ों की शीतल छांव का कोई विकल्प नहीं है।'

जेपी शर्मा रिटायर्ड पुलिस अधिकारी

नियमों का मजाक

विकास के नाम पर पेड़ों का कत्लेआम किया गया और नियम के अनुसार नए पौधे लगाने की शर्त को ताक पर रख दिया गया। शहर के मुख्य मार्ग का यह हाल है तो बाकी जगहों का क्या होगा? प्रशासन को केवल सौंदर्यीकरण नहीं, बल्कि पर्यावरण बहाली पर ध्यान देना चाहिए।

राजेश्वरी देवी, पर्यावरण कार्यकर्ता

विश्व साइकिल दिवस पर PDUNASS में हुई स्लो साइकिलिंग प्रतियोगिता

नवभारत न्यूज

18 किमी साइकिल चलाकर रिजवान ने दिया पर्यावरण और स्वास्थ्य का संदेश

ग्वालियर 3 जून. विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा अकादमी में एक अनोखी 'स्लो साइकिलिंग' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों में धैर्य, संतुलन और माइंडफुलनेस (सचेतनता) का परीक्षण करना था।कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि साइकिल केवल यातायात का साधन नहीं, बल्कि सतत विकास का एक शक्तिशाली उपकरण है। शारीरिक सहनशक्ति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए, प्रतिभागियों ने एक बेहतर कल और हरित पृथ्वी के लिए साइकिल को अपनाने का संकल्प लिया।

तय की 18 किमी की दूरी

कार्यक्रम की शुरुआत बेहद उत्साहजनक रही। संस्थान के कोर्स डायरेक्टर रिजवान उद्दीन ने स्वयं साइकिल चलाकर 18 किलोमीटर की दूरी तय की और आयोजन स्थल तक पहुँचकर एक मिसाल पेश की। प्रतिभागियों ने भी पूरी ऊर्जा के साथ हिस्सा लिया और अपने साथ ऐसे पोस्टर लेकर चले, जो साइकिलिंग के बहुआयामी लाभों को दर्शा रहे थे।

पर्यावरण और फिटनेस का तालमेल

पोस्टर के माध्यम से प्रतिभागियों ने संदेश दिया कि कैसे साइकिल का उपयोग न केवल कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस को बढ़ाकर व्यक्तिगत स्वास्थ्य में सुधार लाता है, बल्कि यह बड़े पैमाने पर कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और शहरी जीवन को प्रदूषण मुक्त बनाने में भी मददगार है।

रमौआ बांध पर चलेगा सफाई अभियान निकाली जाएगी ई-बाईक रैली

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 3 जून. विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 05 जून 2026 शुक्रवार को नगर निगम ग्वालियर द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता हेतु ई-बाइक रैली एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने सभी संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने बताया कि वायु प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 को शहर में ई-बाइक रैली का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही मर्सी होम में पौधारोपण, विभिन्न पार्कों में वृक्षारोपण, चौराहों पर ग्रीन शेड स्थापना, पक्षियों हेतु दाना-पानी की व्यवस्था, प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर डस्टबिन लगाना तथा

विश्व पर्यावरण दिवस पर बाल भवन में होगा रक्तदान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

कपड़े के थैलों का वितरण जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने सामाजिक संस्थाओं एवं नागरिक, संगठनों से अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सुबह 6:00 बजे रमौआ बांध पर श्रमदान, सुबह 7:00 बजे पौधारोपण, सुबह 7:30 बजे ई-बाईक एवं ई-स्कूटी रैली में प्रतिभागियों का एकत्रीकरण, सुबह 7:40 बजे कार्यक्रम का उद्घाटन, पर्यावरण शपथ एवं हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ, रैली मार्ग - कैप्टन हिल्स से सन वैली से कलेक्ट्रेट कार्यालय से आकाशवाणी चौराहा से गोविंदपुरी होते हुए अलकापुरी से तानसेन चौराहा होते हुए बाल भवन पर रैली का समापन होगा। इसके बाद सुबह 8:40 बजे बाल भवन पर ग्रीन एक्सपो का उद्घाटन, रक्तदान शिविर, नुक्कड़ नाटक एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण समारोह एवं पावर योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

तपती दोपहरी में आमजन को राहत देंगे रेडक्रॉस के 'शीतल जल-ओआरएस सेवा रथ'

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 3 जून. भीषण गर्मी और तपती दोपहरी में आमजन को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की ग्वालियर इकाई द्वारा तीन 'शीतल जल-

जनप्रतिनिधियों एवं कलेक्टर ने तीन सेवा रथों को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

ओआरएस सेवा रथ' शुरू किए गए हैं। कलेक्टर रुचिका चौहान की प्रेरणादायी पहल पर प्रारंभ की गई यह सेवा शहर के प्रमुख तिराहों-चौराहों, बाजारों और व्यस्त मार्गों पर पहुँचकर लोगों को शीतल जल एवं ओआरएस घोल उपलब्ध कराएगी, ताकि वे गर्मी और डीहाइड्रेशन से सुरक्षित रह सकें।

बुधवार को नया बाजार स्थित रेडक्रॉस सोसायटी के ब्लड बैंक परिसर से कलेक्टर रुचिका चौहान, भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन सर्वजीत सिंह ज्ञानी, सचिव नवल शुक्ला तथा अन्य अतिथियों ने हरी झण्डी दिखाकर इन सेवा रथों को शहर के विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना किया।

इस अवसर पर कलेक्टर रुचिका चौहान ने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान आम नागरिकों के साथ-साथ तिराहों-चौराहों पर ड्यूटी देने वाले पुलिसकर्मी, सफाई मित्र और अन्य मैदानी अमले को डीहाइड्रेशन से बचाने के लिए यह पहल की गई है। उन्होंने बताया कि फिलहाल यह सेवा 30 जून तक संचालित की जाएगी तथा आवश्यकता के अनुसार इसकी अवधि आगे भी बढ़ाई जायेगी।

उन्होंने कहा कि प्रशासन का का काम केवल व्यवस्थाएँ बेहतर कराना ही नहीं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की चिंता करना भी है। इसी भावना के साथ कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में आने वाले नागरिकों को भी नियमित रूप से ओआरएस उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक लगभग 10 हजार ओआरएस पैकेट वितरित किए जा चुके हैं।

भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने इस जनहितैषी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्वालियर की रेडक्रॉस सोसायटी मानव सेवा के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रही है। एक ओर संस्था जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराकर जीवन बचाने का कार्य कर रही है, वहीं दूसरी ओर भीषण गर्मी में लोगों को राहत पहुँचाने के लिए यह सेवा भी समाज के प्रति उसकी संवेदनशीलता का परिचायक है।

कलेक्टर एवं अन्य अतिथियों ने कैंसर रोगियों को लगन के साथ एसटीपी की सेवा दे रहे रेडक्रॉस सोसायटी के कर्मचारी लखन का सम्मान भी इस अवसर पर किया गया। लखन का आज जन्मदिन भी था।

कार्यक्रम में पार्षद अनिल सांखला तथा नीतेश शर्मा, कनवर मंगलानी, सुघर सिंह पवैया, डॉ. कमल भदौरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, सेवाभावी नागरिक एवं संयुक्त कलेक्टर जूही गर्ग सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

महिला प्रशिक्षणार्थियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 3 जून. शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) ग्वालियर में महिला प्रशिक्षणार्थियों के लिए आत्मरक्षा शिविर का आयोजन

संभागीय आईटीआई में आत्मरक्षा शिविर आयोजित

किया गया। शिविर का उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं आत्मविश्वासी बनाना तथा उन्हें अपनी सुरक्षा के प्रति सजग करना था। शिविर का आयोजन श्री धानी यूथ एण्ड स्पोर्ट्स वेलफेयर फाउण्डेशन के सहयोग से किया गया।

आईटीआई के प्रभारी प्राचार्य नरेश अहिरवार ने बताया कि शिविर में प्रशिक्षकों द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही उन्हें विपरीत परिस्थितियों में साहस, सतर्कता और समझदारी के साथ कार्य करने के व्यावहारिक उपाय भी बताए गए। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आत्मरक्षा तकनीकों का अभ्यास किया।

इस अवसर पर बताया गया कि महिलाओं को अपनी सुरक्षा के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए और किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का सामना आत्मविश्वास के साथ करना चाहिए। संस्था द्वारा आयोजित इस प्रकार के कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ छात्राओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

10 वर्षों से वेतन वृद्धि नहीं, अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 3 जून. मध्यप्रदेश के शासकीय विद्यालयों में कार्यरत व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने वेतनमान एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के निर्धारण को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। प्रशिक्षकों का कहना है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आउटसोर्स के माध्यम से प्रदेशभर में लगभग 6000 व्यावसायिक प्रशिक्षक पिछले 10 वर्षों से कार्यरत हैं, लेकिन इस दौरान उनके वेतनमान में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं की गई है। ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में प्रशिक्षकों को मात्र 20 हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जा रहा है, जो बढ़ती महंगाई और उनकी शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता के अनुरूप नहीं है। प्रशिक्षकों ने मांग की है कि अन्य राज्यों की तर्ज पर उनका वेतनमान 38 हजार से 42 हजार रुपये प्रतिमाह निर्धारित किया जाए तथा प्रतिवर्ष कम से कम 5 प्रतिशत वेतनवृद्धि, ईपीएफ, ईएसआई, बीमा सुविधा, मातृत्व अवकाश एवं पर्याप्त आकस्मिक अवकाश देने की मांग की गई है। साथ ही तकनीकी कारणों से उपस्थिति दर्ज न होने पर वेतन कटौती और सत्र समाप्ति पर बिना सूचना सेवा में ब्रेक दिए जाने की समस्या भी उठाई गई।

प्रशिक्षकों ने कहा कि वे प्रदेश के कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, प्रशिक्षकों ने विभाग से मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की अपील की है।

युगल जैन मिलन की नवीन कार्यकारिणी घोषित

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 3 जून. सामाजिक एवं पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कार्यरत युगल जैन मिलन ग्वालियर की वर्ष 2026-27 की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से डॉ. विनोद जैन को अध्यक्ष, सिद्धार्थ जैन चांदवाड़ को सचिव तथा अंशुल जैन को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

कार्यकारिणी में राजकुमार जैन, मनीष जैन, अंकुर जैन एवं राजीव जैन को उपाध्यक्ष तथा आशीष जैन को सहसचिव का दायित्व सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त पंकज जैन, राजा जैन, आशीष जैन, राहुल जैन, अजितेश जैन, अभिषेक जैन, सौरभ जैन एवं तरुण जैन को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. विनोद जैन ने कहा कि संस्था सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करेगी तथा समाज के युवाओं और परिवारों को संगठन से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सहयोग से संस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प व्यक्त किया।

मुरार में सजा श्रीमद्भागवत महापुराण का दरबार

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 3 जून. मुरार क्षेत्र में श्रीमद् भागवत महापुराण के आयोजन के प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा के बाद गणेश पूजन के साथ विधिवत कथा श्रवण की विधि का आयोजन किया गया। भक्तिमय वातावरण में निकाली गई इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय भक्तजन सम्मिलित हुए, जिससे पूरा मुरार क्षेत्र धर्ममय हो गया। क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना जगाने के लिए एक भव्य संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण, मूल पाठ, गीता पाठ और पितृ गायत्री जप का आयोजन में गोवर्धन धाम के आचार्य प्रदीप व्यास महाराज मुख्य कथा वाचक हैं, जो आगामी सात दिनों तक श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगे। यह आयोजन 10 जून तक मुरार, ग्वालियर (कल्पना नगर) स्थित कथा स्थल पर संपन्न होगा, जिसका समापन पूर्णाहुति और भव्य भंडारे के साथ किया जाएगा।इस पवित्र कथा के प्रमुख यजमान और परीक्षित दिनेश पचौरी और श्रीमती कृष्णा पचौरी हैं।

कलश यात्रा में यह रहे शामिल

कलश यात्रा में पीले वस्त्र धारण सिर पर कलश रखकर सभी भक्ति गीत गाते हुए चल रहे थे, कलश यात्रा में रामस्वरुप पचौरी, सुशीला पचौरी,महेश पचौरी, नर्मदा पचौरी, नारायण पचौरी, गुड्डी पचौरी, रोहित पचौरी, मोनिका पचौरी, आदि शामिल रहे। इस भव्य कथा का मुख्य उद्देश्य समाज में धर्म का प्रचार करना और पितरों का कल्याण करना है।

रात भर खोजने के बाद ट्रॉली में सोता मिला गुमशुदा बालक

ग्वालियर 3 जून. थाना पुरानी छावनी क्षेत्र के रूद्रपुरा से गायब हुए 6 वर्षीय बालक को ग्वालियर पुलिस ने रातभर चले सर्च ऑपरेशन के बाद सुरक्षित ढूंढ निकाला। बालक को सही-सलामत पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस की कार्यक्षमता की सराहना की। 2 जून की शाम, रूद्रपुरा स्थित एक निर्माणाधीन स्वास्थ्य केंद्र पर मजदूरी करने वाले सूरज आदिवासी का 6 वर्षीय बेटा खेलते हुए अचानक लापता हो गया। मामला नाबालिग से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने इसे अत्यंत गंभीरता से लिया।

200 जवानों ने रातभर चलाया सर्च ऑपरेशन

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह स्वयं मौके पर पहुंचे और करीब 200 पुलिस जवानों की टीम गठित की। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड व अन्य संदिग्ध ठिकानों की गहन तलाशी ली। आखिरकार, देर रात करीब 2 बजे पुलिस टीम को बालक पास ही खड़ी एक ट्रॉली के अंदर सोता हुआ मिल गया। पुलिस ने तत्काल बालक को सकुशल दस्तयाब कर उसके माता-पिता को सौंप दिया। ग्वालियर पुलिस की इस त्वरित और मानवीय कार्रवाई से स्थानीय लोगों ने काफी प्रशंसा की है।